प्रतिदर्श प्रश्नपत्र (2022-23)

हिंदी (ब) कोड संख्या 085

कक्षा - दसवीं

Sample Paper - 9

निर्धारित समय :3 घंटे **पूर्णांक :80**

सामान्य निर्देश :-

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब'।
- खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
- दोनों खंडों के कुल 18 प्रश्न हैं । दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

आज के आधुनिक समय में महिला सशक्तीकरण एक विशेष चर्चा का विषय है। हमारे आदि-ग्रंथों में नारी के महत्त्व को मानते हुए यहाँ तक बताया गया है कि ' 'यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता:" अर्थात् जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं। लेकिन विडंबना तो देखिए नारी में इतनी शक्ति होने के बावजूद भी उसके सशक्तीकरण की अत्यंत आवश्यकता महसूस हो रही है। महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का अर्थ उनके आर्थिक फैसलों, आय, संपत्ति और दूसरी वस्तुओं की उपलब्धता से है, इन सुविधाओं को पाकर ही वह अपने सामाजिक स्तर को ऊँचा कर सकती है।
महिला सशक्तीकरण भौतिक या आध्यात्मिक, शारीरिक या मानसिक, सभी स्तर पर महिलाओं में आत्मविश्वास पैदा कर उन्हें सशक्त बनाने की प्रक्रिया है। महिलाओं के सामाजिक सशक्तीकरण में शिक्षा की अहम भूमिका है। ग्रामीण महिलाएँ सदियों से घर-खेत में पुरुषों के बराबर ही काम करती आई हैं, लेकिन वहाँ उन्हें सामंती सोच के कारण दूसरे दर्जे का नागरिक ही माना जाता रहा है।
ग्रामीण समाज की सोच बदलने का वक्त अब आ गया है। महिलाओं की बेहतरी के लिए गाँवों में पहल की जानी चाहिए। नारी सशक्तीकरण के इस वर्तमान दौर में महिलाएँ केवल आर्थिक रूप से सुदृढ़ ही नहीं हुई, अपितु समाज एवं परिवार की सोच में भी सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देने प्रारंभ हो गए हैं। आज महिलाएँ प्रत्येक क्षेत्र में स्वयं के बल पर आगे बढ़ रही हैं, चाहे सामाजिक क्षेत्र हो, राजनीतिक हो, शिक्षा हो, रोज़गार हो, सभी जगह महिलाओं ने अपना परचम लहराया है। वर्तमान समय में लोग बेटियों को बोझ न समझें और दुनिया में आने से पहले मारे नहीं, इसलिए सरकार ने बहुत सारी योजनाओं; जैसे-लाडली योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ तथा उड़ान आदि की शुरुआत की है।

(i) महिला सशक्तीकरण से क्या तात्पर्य है?

क) महिलाओं को शारीरिक तथा मानसिक रूप से सशक्त बनाना

ख) महिलाओं को भौतिक तथा आध्यात्मिक रूप से सशक्त

बनाना

ग) महिलाओं में आत्मविश्वास पैदा करना	घ) सभी

(ii) ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को किस तरह का नागरिक माना जाता रहा है?

क) उच्च दर्जे का	ख) मध्यम दर्जे का

ग) दूसरे दर्जे का	घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) आज के समय में महिलाओं की स्थिति क्या है?

क) महिलाओं के प्रति समाज में सकारात्मक परिवर्तन दिख रहे है	ख) सभी

ग) आज महिलाएँ प्रत्येक क्षेत्र में स्वयं के बल पर आगे बढ़ रही हैं	घ) आर्थिक रूप से सुदृढ हो गई हैं

(iv) वर्तमान में महिलाओं ने अपना परचम किस क्षेत्र में लहराया है?

क) शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में	ख) सभी

ग) सामाजिक क्षेत्र में	घ) राजनीतिक क्षेत्र में

(v) महिला शक्तिकरण की आवश्यकता है क्योंकि-

i. उनमें शिक्षा का आभाव है
ii. उन्हें दूसरे दर्जे का माना जाता है
iii. उन्हें आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए
iv. उन्हें रोकने के लिए

क) कथन i, ii व iv सही हैं	ख) कथन i, ii व iii सही हैं

ग) कथन i, ii, iii व iv सही हैं	घ) कथन ii सही है

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

सिनेमा जगत के अनेक नायक-नायिकाओं, गीतकारों, कहानीकारों और निर्देशकों को हिंदी के माध्यम से पहचान मिली है। यही कारण है कि गैर-हिंदी भाषी कलाकार भी हिंदी की ओर आए हैं। समय और समाज के उभरते सच को परदे पर पूरी अर्थवत्ता में धारण करने वाले ये लोग दिखावे के लिए भले ही अंग्रेज़ी के आग्रही हों, लेकिन बुनियादी और जमीनी हकीकत यही है कि इनकी पूँजी, इनकी प्रतिष्ठा का एकमात्र निमित्त हिंदी ही है। लाखों-करोड़ों दिलों की धड़कनों पर राज करने वाले ये सितारे हिंदी फ़िल्म और भाषा के सबसे बड़े प्रतिनिधि हैं। 'छोटा परदा' ने आम जनता के घरों में अपना मुकाम बनाया तो लगा हिंदी आम भारतीय की जीवन-शैली बन गई। हमारे आद्यग्रंथों रामायण और महाभारत को जब हिंदी में प्रस्तुत किया गया तो सड़कों का कोलाहल सन्नाटे में बदल गया।

'बुनियाद' और 'हम लोग' से शुरू हुआ सोप ऑपेरा का दौर हो या सास-बहू धारावाहिकों का, ये सभी हिंदी की रचनात्मकता और उर्वरता के प्रमाण हैं। 'कौन बनेगा करोड़पति' से करोड़पति चाहे जो बने हों, पर सदी के महानायक की हिंदी हर दिल की धड़कन और हर धड़कन की भाषा बन गई।
सुर और संगीत की प्रतियोगिताओं में कर्नाटक, गुजरात, महाराष्ट्र, असम, सिक्किम जैसे गैर-हिंदी क्षेत्रों के कलाकारों ने हिंदी गीतों के माध्यम से पहचान बनाई। ज्ञान गंभीर 'डिस्कवरी' चैनल हो या बच्चों को रिझाने-लुभाने वाला 'टॉम एंड जेरी'। इनकी हिंदी उच्चारण की मिठास और गुणवत्ता अद्भुत, प्रभावी और ग्राह्य है। धर्म-संस्कृति, कला-कौशल, ज्ञान-विज्ञान सभी कार्यक्रम हिंदी की संप्रेषणीयता के प्रमाण हैं।

(i) गैर-हिंदी भाषी कलाकारों के हिंदी सिनेमा में आने का क्या कारण था?

क) हिंदी के माध्यम से अंग्रेजी को बढ़ावा देना
ख) अंग्रेजी भाषा का महत्त्व बताना
ग) अंग्रेजी भाषा को विश्वस्तरीय भाषा बनाना
घ) हिंदी के माध्यम से अपनी पहचान बनाना

(ii) फिल्मों तथा टी.वी. ने हिंदी के प्रचार-प्रसार में क्या भूमिका निभाई है?

क) हिंदी का विकास अवरुद्ध हो गया
ख) हिंदी का क्षेत्र सीमित हो गया
ग) हिंदी अंग्रेजी के समक्ष कमजोर पड़ गई
घ) हिंदी साधारण भारतीय की जीवन-शैली बन गई

(iii) निम्नलिखित में से किसकी हिंदी ने दर्शक वर्ग को सर्वाधिक प्रभावित किया?

क) सदी के महानायक की
ख) सास-बहू धारावाहिक की
ग) डिस्कवरी चैनल की
घ) रामायण की

(iv) प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक क्या होगा?

i. टी.वी. चैनल का इतिहास
ii. हिंदी भाषा की गुणवत्ता एवं उपयोगिता
iii. हिंदी भाषा बनाम अंग्रेजी भाषा
iv. हिंदी धारावाहिक

क) विकल्प (iii)
ख) विकल्प (ii)
ग) विकल्प (iv)
घ) विकल्प (i)

(v) **कथन (A):** हिंदी आम भारतीय की जीवन शैली बन गई है।
कारण (R): अंग्रेजी के आग्रही लोगों के लिए भी हिंदी पूँजी और प्रतिष्ठा का एकमात्र माध्यम है।

क) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ख) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

ग) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही असत्य हैं।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) इन वाक्यों में संयुक्त वाक्य की पहचान कीजिए-

क) अगर तुम बैठे हो तो उसकी प्रतीक्षा कर लो।

ख) तुम यहाँ बैठ जाओ और उसकी प्रतीक्षा करो।

ग) तू यहाँ बैठ कर उसकी प्रतीक्षा करो।

घ) जब तुम यहाँ बैठो. तो उसकी प्रतीक्षा कर लेना।

(ii) सर्दी बढ़ते ही उसके जोड़ों का दर्द बढ़ गया। (मिश्र वाक्य)

क) सर्दी का बढ़ना और उसके जोड़ों के दर्द बढ़ना साथ-साथ होता है।

ख) जैसे ही सर्दी बढ़ी वैसे ही उसके जोड़ों का दर्द भी बढ़ गया।

ग) इनमे से कोई नहीं

घ) सर्दी बढ़ी और उसके जोड़ों का दर्द भी बढ़ गया।

(iii) नौकरी मिल जाने पर भी मैं पढ़ता रहता हूँ। (मिश्र वाक्य)

क) नौकरी मिल गई तो क्या फिर भी मैं पढ़ता रहता हूँ।

ख) मुझे नौकरी मिल गई फिर भी मैंने पढ़ना नहीं छोड़ा।

ग) नौकरी मिल जाने पर भी पढ़ाई करते रहना चाहिए।

घ) यद्यपि मुझे नौकरी मिल गई है तथापि मैं पढ़ता रहता हूँ।

(iv) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है-

i. यह वही भारत देश है, जो सोने की चिड़िया कहलाता था।

ii. सोने की चिड़िया भारत कहलाता था, क्योंकि वह एक देश है।

iii. भारत एक देश है और सोने की चिड़िया कहलाता है।

iv. जैसे ही भारत देश बना वैसे ही वह सोने की चिड़िया कहलाने लगा।

क) विकल्प (ii)

ख) विकल्प (iii)

ग) विकल्प (iv)

घ) विकल्प (i)

(v) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है-

i. मामाजी ने मुझे पढ़ाया ताकि सेना में भर्ती हो सकूँ।
ii. मामाजी ने ज्यों ही मुझे पढ़ाया त्यों ही सेना में भर्ती हो गई।
iii. मामाजी ने मुझे पढ़ाया और सेना में भर्ती कराया।
iv. सेना में भर्ती कराने हेतु मामाजी ने मुझे पढ़ाया।

क) विकल्प (i) ख) विकल्प (iv)

ग) विकल्प (iii) घ) विकल्प (ii)

4. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **भारत की राजधानी दिल्ली** में एक करोड़ से ज्यादा लोग रहते हैं। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है?

क) संज्ञा पदबंध ख) विशेषण पदबंध

ग) क्रिया पदबंध घ) सर्वनाम पदबंध

(ii) किस वाक्य का रेखांकित पदबंध संज्ञा पदबंध है ?

क) **शरारत करने वाले बच्चों** की कोई कमी नहीं है। ख) मैं सुबह टहलने **जाता हूँ।**

ग) मुझे **बहुत जोर से** भूख लगी है। घ) बच्चा **पढ़कर** सो गया।

(iii) गुलाबी रंग का **पेन मोहित** का है। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है?

क) सर्वनाम पदबंध ख) क्रिया पदबंध

ग) संज्ञा पदबंध घ) क्रियाविशेषण पदबंध

(iv) 'मेरे पिताजी ने **पीले - पीले पके आम** खरीदे।' रेखांकित पदबंध का भेद क्या है?

क) संज्ञा पदबंध ख) क्रिया पदबंध

ग) क्रिया विशेषण पदबंध घ) विशेषण पदबंध

(v) इतनी महँगाई में किसी भी **आम आदमी का आजकल** गुजारा बहुत मुश्किल से होता है। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है?

क) अव्यय पदबंध ख) सर्वनाम पदबंध

ग) क्रिया पदबंध घ) क्रिया विशेषण पदबंध

5. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) समस्त पदों को अलग-अलग करने की क्रिया को कहते हैं-

क) समास विच्छेद	ख) समास विग्रह

ग) संधि विग्रह	घ) सामसिक पद

(ii) **चौराहा** में कौन-सा समास है?

क) तत्पुरुष समास	ख) अव्ययीभाव समास

ग) द्विगु समास	घ) बहुव्रीहि समास

(iii) **देशांतर** में कौन-सा समास है?

क) कर्मधारय	ख) द्विगु

ग) बहुव्रीहि	घ) तत्पुरुष

(iv) कौन-सा समास समूह या समाहार का बोध कराता है?

क) द्विगु	ख) द्वंद्व

ग) अव्ययी भाव	घ) बहुव्रीहि

(v) **यथासमय** समस्त पद में कौन-सा समास है?

क) द्विगु	ख) बहुव्रीहि

ग) अव्ययी भाव	घ) द्वंद्व

6. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) बात तय थी, लेकिन ऐन मौके पर उसके इनकार करने से **<u>सारा काम रूक</u>** गया। रेखांकित वाक्यांश के लिए उपयुक्त मुहावरा है-

क) गुड़ गोबर करना	ख) अक्ल पर पत्थर पड़ना

ग) खटाई में पड़ना	घ) काल पड़ना

(ii) कालू मात्र आठवीं पास हैं, फिर भी उसकी सरकारी नौकरी लग गई। इसी को कहते हैं- ________। उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

क) आग बबूला हो जाना	ख) अंधे के हाथ बटेर लगना

ग) धोखा हो जाना	घ) किस्मत चमकना

(iii) रीता की सुन्दर लिखावट देखकर शिक्षिका ने ________ ली।

क) दाँतों तले उँगली दबाना	ख) आँखे फेरना

ग) आँखें बिछाना	घ) तलवार खींचना

(iv) घर जलाना

क) घर में आग लगाना ख) किसी के घर में आग लगा देना

ग) अपना सर्वस्व न्योछावर करना घ) खुद अपना घर जला देना

(v) परीक्षा के समय रमेश को आवारागर्दी करते देखकर उसके पिताजी ने उसे ________।
रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त मुहावरे का चयन कीजिए-

क) टका-सा जबाब देना ख) अंगूठा दिखाना

ग) आड़े हाथों लेना घ) इसमें से कोई नहीं

(vi) आतंकवादियों के पकड़े जाने से मानो डर का _______।

क) किस्सा सुनाने लगा है। ख) कहानी खत्म हो गई है।

ग) किस्सा बन गया है। घ) किस्सा ख़त्म हो गया है।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। **[2]**

(i) **कर चले हम फ़िदा** कविता के संदर्भ में जिन्दगी का मौत से गले मिलना का क्या भाव है?

क) अपनी ख़ुशी को मारना ख) सभी

ग) आत्म हत्या करना घ) आत्मबलिदान देना

(ii) मीरा के पद किसको सम्बोधित किये गए हैं?

क) अपने आराध्य को ख) अपने पिता को

ग) मेवाड़ के महाराणा सांगा घ) अपने पति को

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ।
ऐकै अषिर पीव का, पढ़ै सु पंडित होइ।।

(i) पद्यांश के अनुसार, इस संसार में लोग क्या करते हुए मर गए?

क) कर्मकांड करते हुए ख) धार्मिक पुस्तकें पढ़-पढ़कर

ग) अनुष्ठान करते हुए घ) पूजा-पाठ करते हुए

(ii) पद्यांश के अनुसार पंडित कौन है?

क) इनमें से कोई नहीं ख) जिसने परमात्मा का एक अक्षर भी पढ़ लिया

ग) जिसने स्वयं की पहचान कर ली घ) जो कठोर तप करता है

(iii) **पीव** से क्या तात्पर्य है?

क) अज्ञानता से | ख) परमात्मा से

ग) गुरु से | घ) जीवन के दुःखो से

(iv) पद्यांश के अनुसार, सच्चा ज्ञानी कैसे बना जा सकता है?

क) गुरु का स्मरण करने से | ख) बड़ी-बड़ी पुस्तकें पढ़ने से

ग) संतों का संग करने से | घ) परमात्मा का नाम स्मरण करने से

(v) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

i. स्वभाव को निर्मल करने के लिए निंदक को पास रखना चाहिए।

ii. पीव का अर्थ प्रिय है।

iii. प्रेम ही मनुष्य को ज्ञानी बनाता है।

iv. कबीर अहंकार को मिटाने की बात करते हैं।

v. निंदक को अपने आँगन में ही रखना चाहिए।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए –

क) (iii), (iv) | ख) (i), (ii)

ग) (ii), (iii) | घ) (iv), (v)

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। **[2]**

(i) **तीसरी कसम** पाठ के आधार पर किस फिल्म के बाद राज कपूर आत्म विश्वास से भर गए?

क) सत्यम शिवम् सुंदरम | ख) संगम

ग) मेरा नाम जोकर | घ) अजंता

(ii) **अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले** पाठानुसार गरमी, सरदी, सैलाब आदि किसका परिणाम हैं?

क) पर्यावरण की स्वच्छता का | ख) मौसम की खराबी का

ग) प्रकृति की सहन शक्ति का | घ) मानव और प्रकृति के असंतुलन का

10. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजियेः** **[5]**

तताँरा मानो सम्मोहित था। उसके कानों में युवती की आवाज ठीक से पहुँच न सकी। उसने पुनः विनय की, "तुमने गाना क्यों रोक दिया? गाओ न?"

युवती झुँझला उठी। वह कुछ और सोचने लगी। अंततः उसने निश्चयपूर्वक एक बार पुनः लगभग विरोध करते हुए कड़े स्वर में कहा- "ढीठता की हद है। मैं जब से परिचय पूछ रही हूँ और तुम बस एक ही राग अलाप रहे हो। गीत गाओ-गीत गाओ, आखिर क्यों? क्या तुम्हें गाँव का नियम नहीं मालूम?" इतना बोलकर वह जाने के लिए तेजी से मुड़ी। तताँरा को मानो कुछ होश आया। उसे अपनी गलती का अहसास हुआ। वह उसके सामने रास्ता रोककर, मानो गिड़गिड़ाने लगा।

(i) वामीरो के गाँव का क्या नियम था?

क) किसी के सामने गीत नहीं गाना था

ख) अन्य गाँव के युवकों से स्वयं को बचाना था

ग) किसी अन्य गाँव के युवक से बात नहीं कर सकते थे

घ) किसी का अनादर नहीं कर सकते थे

(ii) तताँरा के सम्मोहन का कारण था

क) वामीरो का मधुर गीत

ख) अपनी धुन में खोना

ग) शांत वातावरण

घ) गाँव की याद आना

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A): तताँरा बहुत ही मधुर स्वर में गीत गा रहा था।
कारण (R): वामीरो गाना सुनकर पूरी तरह से सम्मोहित हो गई थी।

क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

ख) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

घ) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(iv) गद्यांश के अनुसार तताँरा कौन-सा राग अलाप रहा था?

क) अपनी तलवार की दैव्य शक्ति का

ख) वामीरो से प्रेम करने का

ग) वामीरो से गाना गाने का

घ) अन्य गाँववासियों से मिलने का

(v) अपनी गलती का अहसास होने पर तताँरा ने क्या किया?

क) वामीरो से क्षमा माँगी

ख) वामीरो की माँ से मिलने का निवेदन करने लगा

ग) वामीरो को अपने विषय में बताने

घ) वामीरो का रास्ता रोककर,

लगा	गिड़गिड़ाने लगा

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) **तोप** शीर्षक कविता का भाव समझते हुए इसका गद्य में रूपांतरण कीजिए।

(ii) आत्मत्राण कविता में किसी सहायक पर निर्भर न रहने की बात कवि क्यों कहता है? कविता का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।

(iii) पावस ऋतु में प्रकृति में कौन-कौन-से परिवर्तन आते हैं? **पर्वत प्रदेश में पावस** कविता के आधार पर लिखिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) छोटे भाई ने बड़े भाई साहब के नरम व्यवहार का क्या लाभ उठाया? आपके विचार से छोटे भाई का व्यवहार उचित था या नहीं, तर्क सहित उत्तर लिखिए। कर्नल कालिंज का खेमा जंगल में क्यों लगा हुआ था?

(ii) वज़ीर अली का चरित्र-चित्रण कारतूस पाठ के आधार पर कीजिए।

(iii) अंदर ‘चाजीन बैठा था। हमें देखकर वह खड़ा हुआ। कमर झुकाकर उसने हमें प्रणाम किया। दो...झो... (आइए, तशरीफ़ लाइए) कहकर स्वागत किया। बैठने की जगह हमें दिखाई। अँगीठी सुलगाई। उस पर चायदानी रखी। बगल के कमरे में जाकर कुछ बर्तन ले आया। तौलिए से बर्तन साफ़ किए।
चाजीन के द्वारा किए गए कार्यों से किस प्रकार प्रभावित होते? 'झेन की देन' पाठ के आधार पर लिखिए।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) हरिहर काका ने ठाकुरबारी जैसी संस्था में ही रहना प्रारंभ कर दिया था, जबकि उनका प्रिय स्थान तो उनका अपना घर था; तो क्यों? उनके परिवार के लोगों के व्यवहार के प्रति अपने विचार व्यक्त करके बताइए कि आप उनमें से एक होते तो क्या करते?

(ii) लेखक ने अपने विद्यालय को हरा-भरा बनाने के लिए किए गए प्रयासों का वर्णन किया है। इससे आपको क्या प्रेरणा मिलती है? (सपनों के-से दिन)

(iii) पूरे घर में इफ़्फ़न को अपनी दादी से ही विशेष स्नेह क्यों था? टोपी शुक्ल पाठ के आधार लिखिए।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

जिला उपायुक्त को पत्र लिखिए जिसमें विद्यार्थियों की पढ़ाई में होने वाली हानि के संदर्भ में शहर के सिनेमाघरों में प्रातःकालीन शो को बंद करने का निवेदन किया गया हो।

15. **स्वच्छ भारत - स्वस्थ भारत** विषय पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

अथवा

शारीरिक शिक्षा और योग विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- शारीरिक शिक्षा का अर्थ एवं महत्त्व
- शारीरिक शिक्षा और योग
- प्रभाव और अच्छे परिणाम

अथवा

समय का सदुपयोग विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

16. आप हिंदी छात्र परिषद के सचिव प्रगण्य हैं। आगामी सांस्कृतिक संध्या के बारे में अनुभागीय दीवार पट्टिका के लिए एक सूचना तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

विद्यालय में साहित्यिक क्लब के सचिव के रूप में **प्राचीर** पत्रिका के लिए लेख, कविता, निबंध आदि विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत करने हेतु सूचना पट्ट के लिए एक सूचना लिखिए।

17. **जहाँ चाह वहाँ राह** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। **[5]**

अथवा

अपने प्रधानाचार्य abcschool@gmail.com को इमेल लिखिए जिसमें अन्य विद्यालय से फ़ुटबॉल मैच खेलने की अनुमति माँगी गई हो।

18. फरारी विक्रेता हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए। **[3]**

अथवा

पुस्तक विक्रेता के लिए एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

Solution

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

आज के आधुनिक समय में महिला सशक्तीकरण एक विशेष चर्चा का विषय है। हमारे आदि-ग्रंथों में नारी के महत्त्व को मानते हुए यहाँ तक बताया गया है कि ' 'यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता:" अर्थात् जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं।

लेकिन विडंबना तो देखिए नारी में इतनी शक्ति होने के बावजूद भी उसके सशक्तीकरण की अत्यंत आवश्यकता महसूस हो रही है। महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का अर्थ उनके आर्थिक फैसलों, आय, संपत्ति और दूसरी वस्तुओं की उपलब्धता से है, इन सुविधाओं को पाकर ही वह अपने सामाजिक स्तर को ऊँचा कर सकती है।

महिला सशक्तीकरण भौतिक या आध्यात्मिक, शारीरिक या मानसिक, सभी स्तर पर महिलाओं में आत्मविश्वास पैदा कर उन्हें सशक्त बनाने की प्रक्रिया है। महिलाओं के सामाजिक सशक्तीकरण में शिक्षा की अहम भूमिका है। ग्रामीण महिलाएँ सदियों से घर-खेत में पुरुषों के बराबर ही काम करती आई हैं, लेकिन वहाँ उन्हें सामंती सोच के कारण दूसरे दर्जे का नागरिक ही माना जाता रहा है।

ग्रामीण समाज की सोच बदलने का वक्त अब आ गया है। महिलाओं की बेहतरी के लिए गाँवों में पहल की जानी चाहिए। नारी सशक्तीकरण के इस वर्तमान दौर में महिलाएँ केवल आर्थिक रूप से सुदृढ़ ही नहीं हुई, अपितु समाज एवं परिवार की सोच में भी सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देने प्रारंभ हो गए हैं। आज महिलाएँ प्रत्येक क्षेत्र में स्वयं के बल पर आगे बढ़ रही हैं, चाहे सामाजिक क्षेत्र हो, राजनीतिक हो, शिक्षा हो, रोज़गार हो, सभी जगह महिलाओं ने अपना परचम लहराया है। वर्तमान समय में लोग बेटियों को बोझ न समझें और दुनिया में आने से पहले मारे नहीं, इसलिए सरकार ने बहुत सारी योजनाओं; जैसे-लाडली योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ तथा उड़ान आदि की शुरुआत की है।

(i) **(घ)** सभी
व्याख्या: सभी

(ii) **(ग)** दूसरे दर्जे का
व्याख्या: दूसरे दर्जे का

(iii) **(ख)** सभी
व्याख्या: सभी

(iv) **(ख)** सभी
व्याख्या: सभी

(v) **(ख)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

सिनेमा जगत के अनेक नायक-नायिकाओं, गीतकारों, कहानीकारों और निर्देशकों को हिंदी के माध्यम से पहचान मिली है। यही कारण है कि गैर-हिंदी भाषी कलाकार भी हिंदी की ओर आए हैं। समय और समाज के उभरते सच को परदे पर पूरी अर्थवत्ता में धारण करने वाले ये लोग दिखावे के लिए भले ही अंग्रेज़ी के आग्रही हों, लेकिन बुनियादी और जमीनी हकीकत यही है कि इनकी पूँजी,

इनकी प्रतिष्ठा का एकमात्र निमित्त हिंदी ही है।
लाखों-करोड़ों दिलों की धड़कनों पर राज करने वाले ये सितारे हिंदी फ़िल्म और भाषा के सबसे बड़े प्रतिनिधि हैं। 'छोटा परदा' ने आम जनता के घरों में अपना मुकाम बनाया तो लगा हिंदी आम भारतीय की जीवन-शैली बन गई। हमारे आद्यग्रंथों रामायण और महाभारत को जब हिंदी में प्रस्तुत किया गया तो सड़कों का कोलाहल सन्नाटे में बदल गया। 'बुनियाद' और 'हम लोग' से शुरू हुआ सोप ऑपेरा का दौर हो या सास-बहू धारावाहिकों का, ये सभी हिंदी की रचनात्मकता और उर्वरता के प्रमाण हैं। 'कौन बनेगा करोड़पति' से करोड़पति चाहे जो बने हों, पर सदी के महानायक की हिंदी हर दिल की धड़कन और हर धड़कन की भाषा बन गई।
सुर और संगीत की प्रतियोगिताओं में कर्नाटक, गुजरात, महाराष्ट्र, असम, सिक्किम जैसे गैर-हिंदी क्षेत्रों के कलाकारों ने हिंदी गीतों के माध्यम से पहचान बनाई। ज्ञान गंभीर 'डिस्कवरी' चैनल हो या बच्चों को रिझाने-लुभाने वाला 'टॉम एंड जेरी'। इनकी हिंदी उच्चारण की मिठास और गुणवत्ता अद्‌भुत, प्रभावी और ग्राह्य है। धर्म-संस्कृति, कला-कौशल, ज्ञान-विज्ञान सभी कार्यक्रम हिंदी की संप्रेषणीयता के प्रमाण हैं।

(i) **(घ)** हिंदी के माध्यम से अपनी पहचान बनाना
व्याख्या: गद्यांश की आरंभिक पंक्तियों में स्पष्ट किया गया है कि सिनेमा जगत के अनेक नायक-नायिकाओं, गीतकारों, कहानीकारों और निर्देशकों को हिंदी के माध्यम से पहचान मिली। इसी कारण गैर-हिंदी भाषी कलाकार भी हिंदी की ओर आए।

(ii) **(घ)** हिंदी साधारण भारतीय की जीवन-शैली बन गई
व्याख्या: गद्यांश के आधार पर कह सकते हैं कि टी.वी. ने हिंदी के प्रचार-प्रसार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विभिन्न हिंदी धारावाहिकों ने आम जनता के घरों में अपना मुकाम हासिल किया, जिससे हिंदी साधारण भारतीय की ज़ीवन-शेली बन गई।

(iii) **(क)** सदी के महानायक की
व्याख्या: गद्यांश के अनुसार, सदी के महानायक अभिताभ बच्चन की हिंदी ने दर्शक वर्ग को सर्वाधिक प्रभावित किया। इस कारण हिंदी हर दिल की धड़कन और धड़कन की भाषा बन गई।

(iv) **(ख)** विकल्प (ii)
व्याख्या: प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक 'हिंदी भाषा की गुणवत्ता एवं उपयोगिता' होगा, क्योंकि इसमें हिंदी भाषा के गुणों; जैसे-सरल, सहजता, प्रवाहमय तथा उसके उपयोग पर बल दिया गया है।

(v) **(क)** (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** तुम यहाँ बैठ जाओ और उसकी प्रतीक्षा करो।
व्याख्या: यह विकल्प सही है क्योंकि संयुक्त वाक्य योजक शब्द के द्वारा जुड़े होने पर भी अपना स्वतंत्र अस्तित्व रखते हैं और उनसे पूरे अर्थ का बोध होता है। इस विकल्प में भी दोनों वाक्य स्वतंत्र है किन्तु संयुक्त वाक्य बनाने के लिए समुच्चयबोधक अव्यय ‘और’ का प्रयोग किया गया है।

(ii) **(ख)** जैसे ही सर्दी बढ़ी वैसे ही उसके जोड़ों का दर्द भी बढ़ गया।
व्याख्या: जैसे ही सर्दी बढ़ी वैसे ही उसके जोड़ों का दर्द भी बढ़ गया।
(iii) **(घ)** यद्यपि मुझे नौकरी मिल गई है तथापि मैं पढ़ता रहता हूँ।
व्याख्या: यद्यपि मुझे नौकरी मिल गई है तथापि मैं पढ़ता रहता हूँ।
(iv) **(घ)** विकल्प (i)
व्याख्या: यह वही भारत देश है, जो सोने की चिड़िया कहलाता था।
(v) **(ग)** विकल्प (iii)
व्याख्या: मामाजी ने मुझे पढ़ाया और सेना में भर्ती कराया।

4. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** संज्ञा पदबंध
व्याख्या: संज्ञा पदबंध
(ii) **(क)** **<u>शरारत करने वाले बच्चों</u>** की कोई कमी नहीं है।
व्याख्या: प्रस्तुत वाक्य में संज्ञा पद के साथ विशेषण पद जुड़ा हुआ है अतः यही संज्ञा पद का सही उदाहरण है।
(iii) **(ग)** संज्ञा पदबंध
व्याख्या: संज्ञा पदबंध
(iv) **(घ)** विशेषण पदबंध
व्याख्या: यह विशेषण पदबंध है क्योंकि इसमें विशेषण पदों का समूह है।
(v) **(क)** अव्यय पदबंध
व्याख्या: अव्यय पदबंध

5. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** समास विग्रह
व्याख्या: समास विग्रह
उदाहरण= यशप्राप्त - यश को प्राप्त
समस्त पद = समास विग्रह
(ii) **(ग)** द्विगु समास
व्याख्या: द्विगु समास
(iii) **(घ)** तत्पुरुष
व्याख्या: तत्पुरुष
(iv) **(क)** द्विगु
व्याख्या: द्विगु
(v) **(ग)** अव्ययी भाव
व्याख्या: अव्ययी भाव

6. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** गुड़ गोबर करना
व्याख्या: गुड़ गोबर करना

(ii) **(ख)** अंधे के हाथ बटेर लगना
व्याख्या: अंधे के हाथ बटेर लगना
(iii) **(क)** दाँतों तले उँगली दबाना
व्याख्या: दाँतों तले उँगली दबाना
(iv) **(ग)** अपना सर्वस्व न्योछावर करना
व्याख्या: अपना सर्वस्व न्योछावर करना - रमेश ने अपना घर जला कर मित्र की मदद की ।
(v) **(ग)** आड़े हाथों लेना
व्याख्या: आड़े हाथों लेना
(vi) **(घ)** किस्सा ख़त्म हो गया है।
व्याख्या: किस्सा ख़त्म हो गया है। - बेखौफ हो जाना

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(घ)** आत्मबलिदान देना
व्याख्या: कर चले हम फ़िदा कविता के संदर्भ में जिन्दगी का मौत से गले मिलना का भाव है आत्मबलिदान देना I
(ii) **(क)** अपने आराध्य को
व्याख्या: मीरा के पद उनके आराध्य कृष्ण को संबोधित किए गए हैं।

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ।
ऐकै अषिर पीव का, पढ़ै सु पंडित होइ।।

(i) **(ख)** धार्मिक पुस्तकें पढ़-पढ़कर
व्याख्या: धार्मिक पुस्तकें पढ़-पढ़कर
(ii) **(ख)** जिसने परमात्मा का एक अक्षर भी पढ़ लिया
व्याख्या: जिसने परमात्मा का एक अक्षर भी पढ़ लिया
(iii) **(ख)** परमात्मा से
व्याख्या: परमात्मा से
(iv) **(घ)** परमात्मा का नाम स्मरण करने से
व्याख्या: परमात्मा का नाम स्मरण करने से
(v) **(ग)** (ii), (iii)
व्याख्या: पीव का अर्थ प्रिय है। प्रेम ही मनुष्य को ज्ञानी बनाता है।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(ख)** संगम
व्याख्या: संगम
(ii) **(घ)** मानव और प्रकृति के असंतुलन का
व्याख्या: पाठ के अनुसार गरमी, सरदी, सैलाब आदि मानव और प्रकृति के असंतुलन का परिणाम है।

10. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

ततााँरा मानो सम्मोहित था। उसके कानों में युवती की आवाज ठीक से पहुँच न सकी। उसने पुनः विनय की, "तुमने गाना क्यों रोक दिया? गाओ न?"

युवती झुँझला उठी। वह कुछ और सोचने लगी। अंततः उसने निश्चयपूर्वक एक बार पुनः लगभग विरोध करते हुए कड़े स्वर में कहा- "ढीठता की हद है। मैं जब से परिचय पूछ रही हूँ और तुम बस एक ही राग अलाप रहे हो। गीत गाओ-गीत गाओ, आखिर क्यों? क्या तुम्हें गाँव का नियम नहीं मालूम?" इतना बोलकर वह जाने के लिए तेजी से मुड़ी। ततााँरा को मानो कुछ होश आया। उसे अपनी गलती का अहसास हुआ। वह उसके सामने रास्ता रोककर, मानो गिड़गिड़ाने लगा।

(i) **(ग)** किसी अन्य गाँव के युवक से बात नहीं कर सकते थे
व्याख्या: किसी अन्य गाँव के युवक से बात नहीं कर सकते थे

(ii) **(क)** वामीरो का मधुर गीत
व्याख्या: वामीरो का मधुर गीत

(iii) **(क)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।
व्याख्या: कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

(iv) **(ग)** वामीरो से गाना गाने का
व्याख्या: वामीरो से गाना गाने का

(v) **(घ)** वामीरो का रास्ता रोककर, गिड़गिड़ाने लगा
व्याख्या: वामीरो का रास्ता रोककर, गिड़गिड़ाने लगा

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) कंपनी बाग के मुहाने पर सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के समय अंग्रेजी सेना द्वारा 1857 की क्रांति को कुचलने के लिए प्रयोग की गई तोप को रखा गया है। इस तोप का महत्त्व है और इसी कारण इस तोप को हमारे देश की आजादी से संबंधित महत्वपूर्ण दिवसों पर चमकाया जाता है एवं प्रदर्शनी के लिए रखा जाता है क्योंकि यह तोप अंग्रेजी सरकार से हमारी जीत और आज़ादी का प्रतीक है। इसलिए राष्ट्रीय महत्व को ध्यान में रखते हुए इस तोप को चमकाया जाता है ताकि लोगों के मन में राष्ट्रीयता की भावना को बढ़ावा मिले और लोगों को स्वतंत्रता दिलाने वाले वीरों एवं स्वतंत्रता के महत्व का अहसास हो। इस तोप ने बहुत से युद्धों में अंग्रेजी सेना की ओर से अपना योगदान दिया था। इसने अनगिनत भारतीय शूरवीरों और स्वतंत्रता सेनानियों को मार डाला था। क्रूर सत्ता की प्रतीक यह तोप वर्तमान में प्रदर्शन की वस्तु बनकर कंपनी बाग के मुख्य द्वार पर रखी है। अब इस तोप का प्रयोग बच्चे या पक्षी करते हैं। बच्चों के लिए यह मात्र मनोरंजन की चीज है और वे डरने के स्थान पर इससे खेलते हैं। गौरैया तो इसके मुँह तक में घुस जाती है। पक्षियों के लिए अब यह तोप मात्र उनका आवासीय स्थल है। जहाँ वे सुखपुर्वक रहते हैं। इससे किसी को किसी भी प्रकार का भय नहीं है। यह तोप बताती है कि अन्यायी और ताकतवर का भी एक न एक दिन अंत अवश्य होता है।

(ii) 'आत्मत्राण' कविता में कवि सहायक पर निर्भर न रहने की बात कहता है क्योंकि वह आत्मविश्वासी है। वह आत्मनिर्भर बनकर अपने बल-पौरुष के बल पर विपदाओं को चुनौती देने में विश्वास करता है। वह अपने प्रभु से यही प्रार्थना करता है कि भले ही ईश्वर उसकी दैनिक जीवन की विपदाओं को दूर करने में मदद न करे, पर इतना अवश्य कर दे कि वह इन विपदाओं से घबराए नहीं, इन पर विजय प्राप्त कर सके। कवि प्रभु से अच्छे स्वास्थ्य की कामना

करता है। वह चाहता है कि प्रभु उसे इतना निर्भय बना दे कि वह जीवन-भार को आसानी से वहन कर सके। कवि कामना करता है कि प्रभु के प्रति उसकी आस्था अडिग बनी रहे और किसी भी परिस्थिति में वह उन पर संदेह न करे।वस्तुतः इस कविता का केंद्रीय भाव यही है कि कवि हमें यह संदेश देता है कि हमें खुद पर सदा विश्वास रखना चाहिए और अपने आत्मबल को कभी खोना नहीं चाहिए।

(iii)पावस ऋतु में प्रकृति में निम्नलिखित परिवर्तन आते हैं-

i. पावस ऋतु में हर पल प्रकृति अपना रूप बदलती है |
ii. पावस ऋतु में सभी तालाब स्वच्छ और पारदर्शी पानी से भर जाते हैं और पर्वतों के पास के तालाबों में पर्वतों का प्रतिबिंब दिखाई देने लगता है।
iii. पावस ऋतु में कई प्रकार के विशाल बादल दिखाई देने लगते हैं।
iv. पावस ऋतु में ऐसा प्रतीत होता है कि शाल के वृक्ष भय के साथ धरती में धँस जाते हैं |
v. पावस ऋतु में झरने इस प्रकार शांत हो जाते हैं जैसे कि धरती पर आकाश टूट पड़ा हो |

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) छोटे भाई ने बड़े भाई साहब के नरम व्यवहार का यह फायदा उठाया कि उसे विश्वास हो गया कि भाई साहब उससे कुछ नहीं कहेंगे, जिससे उसकी स्वच्छंदता बढ़ गई, वह बड़े भाई साहब की सहिष्णुता का अनुचित लाभ उठाने लगा। वह अपना सारा समय पतंग उड़ाने और अन्य खेलों में लगाने लगा। उसके मन में धारणा बन गई कि मैं पढ़ूँ या न पढ़ूँ, मैं पास हो जाऊँगा। मेरे विचार से यह अनुचित था। अति आत्मविश्वास और अभिमान का परिणाम हमेशा बुरा ही होता है। यही कारण था कि लेखक कुसंगति में पड़ गया था।

(ii) वज़ीर अली के चरित्र की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

i. **स्वाभिमानी-** वज़ीर अली अत्यंत स्वाभिमानी है। जब उसे अवध के नबाव के पद से हटा दिया गया तो कंपनी के गवर्नर ने उसे कलकत्ता बुलाया लेकिन वह वहाँ नहीं गया। वह कंपनी के वकील की बातें सुनकर चुप नहीं रहता और उसका कत्ल कर देता है।
ii. **साहसी और हिम्मती-** उसमें अपार हिम्मत थी। उसे मालूम था कि कंपनी सरकार उसकी जान के पीछे पड़ी है लेकिन उसका अफ़गानिस्तान व नेपाल से सहायता फिर से अवध की नवावी प्राप्त करने का प्रयास सचमुच उसके हिम्मती होने को प्रमाणित करता है।
iii. **जाँबाज़-** वज़ीर अली जाँबाज़ सिपाही था। वह मौत से नहीं डरता। वह खतरों से खेलता है वह कंपनी के वकील का कत्ल कर देता है। अंग्रेज़ी खेमे में अकेले जाकर कर्नल से कारतूस लेने में सफलता प्राप्त करना उसके जाँबाज़ होने की निशानी है।
iv. **नीतिकुशल-** वज़ीर अली नीति कुशल था। वह अंग्रेज़ों की फ़ौज को चकमा देने में कामयाब रहता है। वह अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहे-ज़मा को हिन्दुस्तान पर हमला करने की दावत देता है। वह किसी तरह नेपाल पहुँचना चाहता है। वह अफ़गानी हमले तक अपनी ताकत बढ़ाना चाहता है।
v. **देशभक्त-** वज़ीर अली देशभक्त है। वह हिंदुस्तान से अग्रेज़ों को भगाने के प्रयास में जुट जाता है | उसे अंग्रेजो की गुलामी स्वीकार नहीं थी।
vi. **निडर**- वजी़र अली निडरता से अंग्रेजी शासन के नियमों के प्रति विद्रोह भाव प्रकट करता है। वह चंद सिपाहियों के साथ भी जंगलों में अपनी रणनीति तैयार करता है।
vii. **कर्तव्यनिष्ठ**- देश के प्रति अपने कर्तव्य को निभाने में वह कोई कसर नहीं छोड़ता है। वह चाहता तो अपने चाचाजान शहादत अली की तरह ऐशो-आराम की जिंदगी जी सकता था।।
viii. **वाक्पटु**- कर्नल से कारतूस लेने के समय उसके बातचीत का तरीका तथा बाद में सपाट शब्दों में अपनाा परिचय दे देना, उसकी वाक्पटुता के गुण को भली-भाँति दर्शाते हैं।

(iii) चाजीन ने लेखक और उनके मित्र का स्वागत किया। उन्हें बैठने की जगह दिखाई। अँगीठी सुलगाकर उस पर चायदानी रखी और कमरे में से लाए हुए बर्तनों को तौलिए से साफ किया। उसके द्वारा किये गए इस गरिमापूर्ण कार्य से जब लेखक और उनके मित्र प्रभावित हुए तो निश्चित रूप से हम भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकते। वहाँ के शांत वातावरण में चाय के पानी का खदबदाना भी सुनाई नहीं दे रहा था। ऐसी परिस्थिति में हमारा मस्तिष्क भी शांत हो जाता और हम सभी चिंताओं से कुछ समय के लिए मुक्त हो जाते। इस प्रकार की शांत परिस्थिति में हमारा मन स्फूर्ति से युक्त हो जाता।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) हरिहर काका का अपना कोई परिवार नहीं था। ऐसे में उन्होंने अपने भाइयों के परिवार को ही अपना परिवार मान कर उनके साथ रहने लगे थे।शुरू-शुरू में तो हरिहर काका का जीवन शांतिपूर्वक चलता रहा, किंतु कुछ सालों के पश्चात् उनके परिवार के सदस्य उनसे दूरी बनाने लगे। उनके मान-सम्मान में कमी आने लगी।
उनका परिवार से मोहभंग हो गया, इसलिए उन्हें अपने प्रिय स्थान (घर) को छोड़कर ठाकुरबारी जैसी संस्था में रहना पड़ा। उनके परिवार के लोगों का व्यवहार स्वार्थ से भरा था। वे केवल उनकी पंद्रह बीघे ज़मीन को प्राप्त करना चाहते थे।
यदि मैं उनमें से एक होता तो समय निकालकर उनके पास बैठता, उनके सुख-दुःख की बातें सुनता ताकि उन्हें अकेलेपन से मुक्ति मिल पाए।

(ii) लेखक का विद्यालय हरे– भरे और फूलदार पेड़ तथा विभिन्न फूलों से स्वच्छ और सुंदर प्रतीत होता थे। अंदर जाने के रास्ते के दोनों ओर अलियार के ढंग से कटे- छँटे झाड़ और उसमें से आती सुगंध विद्यालय को और मनमोहक बना रहे थे।
इससे हमें यह प्रेरणा मिलती है कि हमें अपने आस –पास के स्थान के अलावा अपने विद्यालय को भी हरा –भरा और स्वच्छ रखना चाहिए। उसमें विभिन्न तरह के फूल और पेड़ लगा कर उसकी सुंदरता में और निखर लाया जा सकता है ।

(iii) इफ्फ़न को अपनी दादी से सबसे अधिक प्यार था। उसे पिता, बहन, माता तथा छोटी बहन नुजहत से भी लगाव था, किंतु दादी से जो लगाव था वो अपने परिवार में किसी से नहीं था। घर के अन्य सदस्य उसे प्यार तो करते थे, पर कभी-कभार डाँट और पिटाई भी हो जाती थी। छोटी बहन भी उसकी कॉपियों के पन्नों से हवाई जहाज बना कर उड़ा देती थी। बस दादी ने ही कभी इफ़्फ़न का दिल नहीं दुःखाया था। वह रात को उसे ढेर सारी कहानियाँ सुनाया करती थीं। उसे दादी की ग्रामीण बोली बड़ी अच्छी लगती थी। इफ़्फ़न भी अपनी दादी की तरह बोलना चाहता था, पर उसके अब्बू उसे नहीं बोलने देते थे। इफ्फ़न अपनी दादी के प्रेम तथा उनकी सादगी से अत्यधिक प्रभावित था। दादी के प्रति उसका स्नेह पारिवारिक परिस्थितियों तथा उसकी भावुकता के कारण विकसित हुआ था।
यहीं कारण था कि इफ्फन को पूरे परिवार में अपनी दादी से ही विशेष स्नेह था

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. प्रधानाचार्य महोदय,
राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक बाल विद्यालय,
पालम, दिल्ली।
01 मार्च, 2019
विषय-आर्थिक सहायता प्राप्त करने के विषय में
महोदय,

विनम्र निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की नवम् 'अ' का विद्यार्थी हूँ। मेरे पिता जी एक फैक्ट्री में काम करते थे। सरकार द्वारा चलाए गए सीलिंग अभियान के दौरान वह फैक्ट्री सील कर दी गई। फैक्ट्री बंद होने से मेरे पिता जी बेरोज़गार हो गए। अब उन्होंने घर में ही परचून की दुकान खोल ली है। इस दुकान से होने वाली आय बहुत कम है। घर पर दादा-दादी सहित छह सदस्य हैं। महँगाई के इस जमाने में इतनी कम आय में गुज़ारा करना बहुत कठिन है, फिर भी पिता जी किसी तरह से घर का गुज़ारा चला रहे हैं। आय कम होने के कारण वे समय पर फीस नहीं दे पाते हैं और मुझे पुस्तकें भी नहीं दिला पा रहे हैं। आपसे प्रार्थना है कि मुझे विद्यालय से आर्थिक सहायता प्रदान करने की कृपा करें ताकि मैं अपनी पढ़ाई जारी रख सकूँ।

धन्यवाद सहित।

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
बलवंत कुमार,
नवम् 'अ'
अनु. - 29

अथवा

प्रति,
उपायुक्त,
गुरुग्राम

विषय- विद्यार्थियों के हित शहर के सिनेमाघरों में प्रातःकालीन शो बंद करने हेतु।

महोदय,

मैं आपका ध्यान इस नगर के सिनेमाघरों में चलने वाले प्रातःकालीन शो की ओर दिलाना चाहता हूँ। जो सुबह नौ बजे प्रारंभ हो जाता है। इस शो में फ़िल्म देखने वाले दर्शकों में लगभग 80 प्रतिशत स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी होते हैं। वे अपनी कक्षाएँ छोड़कर फ़िल्म देखने जाते हैं। फ़िल्म देखकर स्कूल अथवा कॉलेज के बंद होने के समय वे अपने-अपने घर व गाँव चले जाते हैं। इस प्रकार उनके माता-पिता को उनके द्वारा कक्षाओं से अनुपस्थित रहकर फ़िल्म देखने की बुरी लत का पता भी नहीं चलता। विद्यालयों के प्राचार्यों द्वारा उनके विरुद्ध की गई अनुशासनात्मक कार्यवाही भी विशेष प्रभावकाल नहीं हो पाई।

विद्यार्थियों की यह अवस्था अपरिपक्व होती है। वे अपने हित-अहित को नहीं सोच पाते। इस प्रकार वे अपने भविष्य को अन्धकार की ओर ले जा रहे है।अतः आपसे निवेदन है कि आप यहाँ सिनेमाघरों में होने वाले प्रातःकालीन शो पर प्रतिबंध लगाने का कष्ट करें।

भवदीय,
हस्ताक्षर . . . .
(मोहित महेश्वरी)
अध्यापक
हिंदी विभाग,
कृत सीनियर सेकेंडरी स्कूल,
गुरुग्राम

15. हम बहुत सरल और साधारण शब्दों में स्वच्छ भारत अभियान पर भाषण उपलब्ध करा रहे हैं। ये स्वच्छ भारत अभियान, सरकार द्वारा 2014 में भारत को स्वच्छ भारत बनाने के लिए शुरु किया गया था। ये भारत में सबसे बड़ा सामाजिक विषय है कि भारत में स्वच्छता की कमी के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं को कैसे सुलझाया जाये। प्रिय छात्र एवं छात्राओं भारत में स्वच्छता लाने में भाग लेने के लिए स्वच्छ भारत अभियान पर भाषण अपनी जरुरत और आवश्यकता के अनुसार उपयोग करने के लिए, आप बिल्कुल सही जगह पर हो।

देश का भविष्य होने के नाते, आप अपने समाज, समुदाय, स्कूलों और कॉलेजों में अपने चारों ओर साफ-सफाई की पहल करने और इस अभियान को सफल बनाने के लिए स्वच्छ भारत अभियान का नेतृत्व कर सकते हो। आप अपने शरीर और अपने आस पास के वातावरण को जितना साफ रखोगें उतनी सकारात्मक उर्जा अपनी ओर आकर्षित करेंगे। सिर्फ छोटे छोटे आसान से कदम उठाने हैं- कूड़े को कूड़ेदान में फेंकना, उन्हें खुले में नहीं फेंकना और खुले में शौच के लिए नहीं जाना आदि।

अथवा

शारीरिक शिक्षा और योग

शारीरिक शिक्षा का तात्पर्य ऐसी शिक्षा से है, जिसमें शारीरिक गतिविधियों के द्वारा शरीर को स्वस्थ रखने की कला सिखाई जाती है। शारीरिक विकास के साथ-साथ इससे व्यक्ति का मानसिक, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास भी होता है। शारीरिक शिक्षा में योग का स्थान बहुत महत्त्वपूर्ण है। इसका उद्देश्य शरीर, मन एवं आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करना होता है। यह मन शांत एवं स्थिर रखता है, तनाव को दूर कर सोचने की क्षमता, आत्मविश्वास एवं एकाग्रता को बढ़ाता है। नियमित रूप से योग करने से शरीर स्वस्थ तो रहता ही है, साथ ही यदि कोई रोग है तो इसके द्वारा उसका उपचार भी किया जा सकता है।

कुछ रोगों में तो दवा से अधिक लाभ योग करने से होता है। तमाम शोधों से यह प्रमाणित हो चुका है कि योग संपूर्ण जीवन की चिकित्सा पद्धति है। पश्चिमी देशों में भी योग के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ रहा है और लोग तेज़ी से इसे अपना रहे हैं। योग की बढ़ती लोकप्रियता एवं महत्त्व का ही प्रमाण है कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी योग का समर्थन करते हुए 21 जून को योग दिवस घोषित कर दिया है।

वर्तमान परिवेश में योग न सिर्फ हमारे लिए लाभकारी है, बल्कि विश्व के बढ़ते प्रदूषण एवं मानवीय व्यस्तताओं से उपजी समस्याओं के निवारण में इसकी सार्थकता और भी बढ़ गई है। यही कारण है कि धीरे-धीरे ही सही, आज पूरी दुनिया योग की शरण ले रही है।

अथवा

समय संसार की सबसे अमूल्य वस्तु है I जो समय एक बार चला जाता है वापस नहीं आता I आजकल की व्यस्त दुनिया में किसी के पास दूसरों के लिए समय नहीं है I कुछ व्यक्ति समय को ऐसे ही व्यर्थ करते हैं जिसकी वजह से आगे जाकर उनको पछताना पड़ता है। मनुष्य के जीवन में समय का बहुत बड़ा महत्व है I समय गतिमान है इसकी तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती I समय के साथ हर एक व्यक्ति को तथा हर एक जीव को बदलना पड़ता है I जो समय के साथ नहीं बदलता है वह बहुत ही पीछे रह जाता है I जो समय का सदुपयोग नहीं करते हैं वह बहुत ही मुर्ख और बेवकूफ इंसान होते हैं I समय के ऊपर एक मुहावरा भी है; "अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत" इसका अर्थ है कि जब समय था उस समय तो तुमने उसका उपयोग नहीं किया अब समय निकल गया है तो अब पछताने से कोई फायदा नहीं है I कबीरदास जी कहते है कि- काल करे सो आज कर, आज करे सो अब। पल में प्रलय होएगी,बहुरि करेगा कब ॥ इसलिए समय रहते ही काम कर लेना चाहिए I

हिन्दी छात्र परिषद्क
गौतम बुद्ध नगर, उ.प्र.
आवश्यक सूचना
सांस्कृतिक संध्या के सन्दर्भ में

दिनांक -

समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि विद्यालय में 'आगामी सांस्कृतिक संध्या' का आयोजन दिनांक 10.02.20... को होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी

24.02.20... तक हिंदी छात्र परिषद के सचिव से सम्पर्क करें। नाम लिखवाने की अंतिम तिथि 04.03.20... है।
आज्ञा से
प्रगण्य
16. (सचिव)

अथवा

केंद्रीय विद्यालय
इंदिरा नगर, उ.प्र.
सूचना
पत्रिका प्रकाशन हेतु

दिनांक ....

विद्यालय के समस्त छात्र व छात्राओं को सूचित किया जाता है कि विद्यालय आगामी माह में 'प्राचीर' पत्रिका छपवाने जा रहा है। जो भी विद्यार्थी इस पत्रिका में अपने स्वरचित लेख, कविता या निबंध आदि प्रस्तुत करना चाहते हैं वे एक सप्ताह के अंदर अपनी रचना दिनांक 15-02-20XX तक कार्यालय में या अपने कक्षाध्यापक के पास अवश्य प्रस्तुत कर दें।

सचिव (कमलेश) साहित्यक क्लब
केंद्रीय विद्यालय, कानपुर

17. **जहाँ चाह वहाँ राह**

कुछ दिन पहले की बात है, जब मैं अपने स्कूल पहुँचा तो मुझे ज्ञात हुआ कि हमारे स्कूल में दौड़ की प्रतियोगिता का आयोजन होने वाला है। मुझे बचपन से ही खेलकूद खास तौर पर दौड़ में बहुत दिलचस्पी थी। फिर मैं अपने कुछ दोस्तों के साथ दौड़ के लिए नामांकन कराने गया। नाम दर्ज कराने के बाद पता चला कि दौड़ की प्रतियोगिता 20 दिनों के बाद रखी गई है।
उसके बाद मैंने अपनी तैयारी शुरू कर दी लेकिन एक सप्ताह बाद ही बाजार से आते समय मेरा एक्सीडेंट हो गया और मेरे पाँव में मोच आ गई। मुझे लगा कि मैं अब दौड़ में शामिल नहीं हो पाऊँगा। ऐसे में मेरे माता-पिता ने मेरा हौसला बढ़ाया और कहा कि कोई बात नहीं अभी भी दस दिन बाकी हैं। अगर तुम हिम्मत नहीं हारोगे तो सबकुछ हो सकता है। मैंने मन में ठान लिया कि मुझे अब दौड़ना है और देखते-देखते दौड़ का दिन भी आ गया। अगर हम अपने मन से कोई काम चाहें तो वह जरूर पूरा होता है और ऐसा हुआ भी। मैंने दौड़ में भाग भी लिया और दूसरा स्थान प्राप्त किया।

अथवा

From: pawan@mycbseguide.com
To: abcschool@gmail.com
CC ...
BCC ...
विषय - फुटबॉल मैच खेलने की अनुमति के संबंध में
महोदय,
सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की फुटबॉल टीम का कप्तान हूँ। हम अपने अभ्यास के लिए दिल्ली शिक्षा भारती पब्लिक स्कूल की फुटबॉल टीम से मैच खेलना चाहते हैं। हर वर्ष हमारा इसी स्कूल की टीम से ही फाइनल में मुकाबला होता है। हमारी टीम प्रतियोगिता के लिए तैयार है।
अतः मेरा आपसे आग्रह है कि आप मुझे आज्ञा देने की महान कृपा करें और साथ ही दिल्ली शिक्षा भारती पब्लिक स्कूल के प्राचार्य को भी मैच देखने के लिए आमंत्रित करें।

पवन

"जब बीवी बच्चों का संग,
तो क्यों न हो फरारी आपकी पसंद"

"बच्चों की मनपसंद गाड़ी
कैसे न बने आपके घर की फरारी"

जल्दी कीजिए
आज ही अपने नजदीकी शो रूम में जाइए
बुक करवाइए
पहले पचास
ग्राहकों के लिए दस प्रतिशत छूट
ऋण सुविधा उपलब्ध
पैशन फरारी कार शॉप

18.

अथवा

"ज्ञान का दीप जलाने वाली
नया पाठ पढ़ाने वाली
हर कीमत में उपलब्ध
इसके लिए कम हैं शब्द"

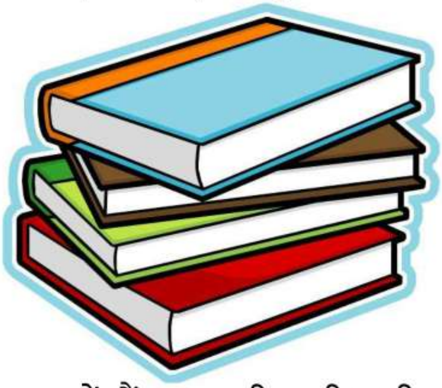

पुस्तकें हैं मनुष्य की सच्ची साथी
इसके जैसा न कोई थाती
पवनहंस बुक शॉप

संपर्क करें
पता:- राजनगर पालम, नई दिल्ली
फोन नं. 011252645XX